डेविड फुलर, यू के डाकुमेन्टरी मेकर

ओशो इंटरनैशनल मेडिटेशन रिज़ार्ट एक ऐसी जगह है जहां मैं अपना व्यक्तितत्व, अपेक्षाएं और पुराने संस्कार छोड़ रहा हूं। यहां जो ध्यान प्रयोग होते हैं, कोर्सेस और सैशन्स होते हैं उनमें तथा उत्सवों में शामिल होकर मैं धीरे-धीरे अपने अहंकार को मिटाना सीख रहा हूं। इस न्यूज़ लैटर का विषय है प्रेम। प्रेम मेरे पास स्वाभाविक रूप से आता है जब मैं अनावश्यक बातों को छोड़ देता हूं। यह स्थान वर्षों से प्रेम में भीगा हुआ है, मैं उसे महसूस कर सकता हूं। जैसे मैं प्रवेश द्वार से अंदर आता हूं वैसे ही मुझे प्रतीत होता है कि यहां प्रेम बसता है, सूक्ष्म लेकिन सशक्त रूप से। मुझे यहां पर आना अच्छा लगता है, और हर बार मुझे चेतना का विस्तार और जीवंतता का अनुभव होता है। हर बार जब मैं आता हूं, अद्भुत लोगों से मिलता हूं और मेरे विकास के लिए जो जरूरी है वह उनसे ग्रहण करता हूं।

मुझे जब जो चाहिए उसे जीवन मुझे दे देता है। और यहां पर यह घटना बहुत तीव्रता से घटती है। मेरी व्यक्तिगत समस्या हमेशा अकेलापन रही है, और प्रेम ही उसका इलाज है। वह प्रेम मुझे यहां महसूस होता है।

हर बार मैंने यहां जो सीखा है उसे मैं वापिस अपने जीवन में ले जाता हूं। माना कि यह धीमी प्रक्रिया है लेकिन मैं कह सकता हूं कि खुद के साथ और दूसरों के साथ मेरे संबंधों की गुणवत्ता बदल गई है। मैं खुद के साथ और दूसरों के साथ अधिक दयालु हुआ हूं और अपने भीतर अधिक मौन पाता हूं।

OSHO

© 2015 OSHO International
Copyright & Trademark Information